RNI No.: DEL/BIL/2004/14598

Youngster

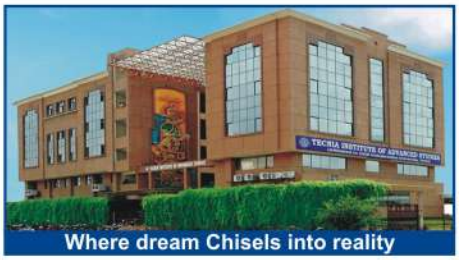

YOUNGSTER | ESTABLISHED 2004 | NEW DELHI | SEPT 2013 | PAGES - 8 | PRICE - 1/- | MONTHLY BILINGUAL (HINDI/ENGLISH)

TechnoVision 2013 - IT Fest

Inaugural Ceremony for TECHNOVISION 2K13

MCA Students of Tecnia Institute of Advanced Organized **TECHNOVISION '2K13' for** providing a platform to the students for proving their technical competence and talent. **TECHNOVISION '2K13'** was a veritable fest where students competed with other contenders to prove themselves best. The fest was being held this year with a plethora of technical events like Websites Designing, IT Quiz, Software Programming, Technical Paper Presentation, Internet Surfing, Collage Making and Ad-Mad Show competition etc. The nature of genius is to be able to grasp the knowledge from the crudest of sources that come beyond intuition.The Inaugural function is presided by Ms. Sandhya Bindal and Dr. A. K. Rathore, Director, Tecnia Institute of Advanced Studies, Dean (Academics), Dr. S.K. Garg, Dr. Rjaesh Bajaj, Chief Convener TIAS. The fest was convened by Ms. Arti Bajaj. Students from various colleges **GIBS, IITM, DIT, RDIAS, NICE, MAIT, VIPS, SCS, USIT, JIMS, BVCOE, BCIIT** of GGSIP University and other universities participated in various events and total of 125 participants from external institutes were recorded.

Ms. Sandya Bindal (Deputy Director, TIAS) in her speech encouraged students and wished them Good Luck. **Dr. A. K. Rathore,** Director, TIAS in his speech

contd on pg 5.....

टेक्निया गुप ऑफ इंस्टीट्यूशन का स्थापना दिवस सम्पन्न

टेक्नियां गुप ऑफ इंस्टीट्यूशन का पंद्रहवां स्थापना दिवस इसके मधुबन चौक (रोहिणी) स्थित परिसर में हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया। समारोह के मुख्य अतिथि, टेक्नियां गुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के चेयरमैन एवं समाजसेवी श्री रामकैलाश गुप्ता थे।

टेक्नियां समूह से संबद्ध सभी शिक्षण संस्थाओं के शिक्षक शिक्षिकाओं एवं कर्मचारियों ने उत्साह के साथ समारोह में हिस्सा लिया। इस अवसर पर टेक्नियां समूह के चेयरमैन श्री रामकैलाश गुप्ता का जन्मदिन एवं राष्ट्रीय शिक्षक दिवस भी हर्षोउल्लास के साथ मनाया गया।

समारोह को संबोधित करते हुए श्री रामकैलाश गुप्ता ने टेक्नियां समूह की स्थापना से लेकर अब तक की शिक्षण क्षेत्र की उपलब्धियों पर प्रकाश डालते हुए प्रतिस्पर्धा के इस युग में शिक्षा की गुणवत्ता पर बल दिया।

इस अवसर पर चेयरमैन श्री गुप्ता एवं टेक्नियां इंस्टीट्यूट के निदेशक डा॰ अजय कुमार राठौर ने संयुक्त रूप से शिक्षक एवं शिक्षिकाओं को सम्मानित किया। इस अवसर पर नृत्य, गायन एवं कविता आदि का रंगारंग कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

समारोह में टेक्नियां इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, अष्टवक्रा रीहैबिलीटेशन सेन्टर, टेक्नियां इंस्टीट्यूट ऑफ अपलाइड स्टडीज, टेक्नियां इंस्टीट्यूट ऑफ टीचर एजुकेशन, टेक्नियां इंस्टीट्यूट ऑफ डांस म्यूजिक एवं फाइन आर्टस एवं स्पेशल आर्ट स्कूल के सभी शिक्षक एवं कर्मचारीगण ने भरपूर हिस्सेदारी की।

डा. भरत कुमा

डा. राधाकृष्णन

– भारतीय दर्शन के व्याख्याता

भारत में समय–समय पर महान विभूतियों का जन्म होता रहा है, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से समाज तथा देश नाम रोशन किया। ऐसे ही महापुरुषों में से एक डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन हैं जो बहुमुखी प्रतिभा के धनी होने के साथ–साथ महान शिक्षक भी थे, इसीलिए उनके जन्मदिन को शिक्षक दिवस के रूप में भी मनाया जाता है।

डा. राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर 1888 को चेन्नई से लगभग 80 किलोमीटर दूर चित्तूर जिले के तिरूतानी शहर के एक छोटे से सीान प्रागानाडू में हुआ था। पिता की प्रेरणा और माता के प्यार से राधाकृष्णन की बचपन से ही हिन्दू धर्म के प्रति गहरी दिलचस्पी होने लगी थी। इनके पिता वीरस्वामी एक आदर्श शिक्षकस्नातकोत्तर की उपाधि प्राप्त की और उसी वर्ष उनकी नियुक्ति मद्रास के ही प्रेसीडेंयी कॉलेज में दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के पद पर हुई। उनकी योग्यता और अध्ययनकुशलता के कारण 1918 में उन्हें तीस वर्ष की आयु में ही मैसूर विश्वविद्यालय के आचार्य पद पर नियुक्त किया गया। 1921 में कलकत्ता विश्वविद्यालय के कुलपति आशुतोष मुखर्जी के निमंत्रण पर मैसूर में किंग जार्ज में प्रोफेसरशिप इन मेंटल एंड मॉरल फिलॉस्फी के पद पर नियुक्त किया गया।

1926 में विज़िटिंग प्रोफेसर के रूप में डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने हारवर्ड विश्वविद्यालय में आयोजित दर्शन कांग्रेस में भारत का प्रतिनिधित्व किया। वंहा जावेट, हास्कल आदि व्याख्यानमालाओं में भारतीय संस्कृति और धार्मिक मान्यताओं के संबंध में नवीन व्याख्याएं प्रस्तुत कर विदेशी वैज्ञानिकों को भी आश्चर्यचकित कर दिया। भारत के तत्कालीन वायसराय लार्ड इर्विन की संस्तुति पर उन्हें 1931 में नाईट की उपाधि प्रदान की गई।

एक उत्कृष्ट वक्ता के साथ–साथ डाराधाकृष्णन उच्चकोटि के लब्ध–प्रतिष्ठ लेखक एवं कुशाग्र बुद्धि के धनी व्यक्ति थे। उन्होंने एथिक्स एंड वेदांत एंड माई फिजिकल प्रोसपोसेशंस, भारतीय दर्शन, मनोविज्ञान की आवश्यकताएं, उपनिषदों का दर्शन, जीवन की हिंदू धारणा, जीवन की आदर्श धारणा, श्रीभागवद गीता, स्वतंत्रता और संस्कृति, विश्वास का पाना, महान भारतीय, ब्रह्मसूत्र और सत्य की खोज आदि अनेक पुस्तकें लिखीं।

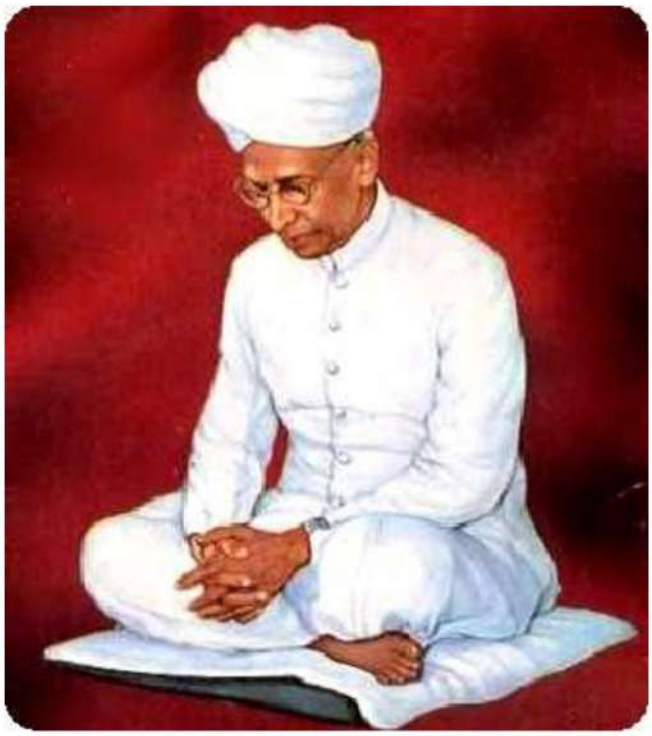

आक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में 1936 में प्रोफेसर ऑफ ईस्टर्न रिलीजन्स एंड एथिक्स के पद पर नियुक्त होने वाले प्रथम भारतीय होने का गर्व उन्हें प्राप्त हुआ। उन्होंने 1937 में आंध्र विश्वविद्यालय का और उसके बाद अगस्त 1939 से 1948 तक काशी हिंदू विश्वविद्यालय के उपकुलपति पद को सुशोभित किया। इसी वर्ष उन्हें यूनेस्को के अधिशासी मंडल का अध्यक्ष चुना गया और भारत सरकार ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग का अध्यक्ष भी नियुक्त किया।

डा. सर्वपल्ली राधाकृष्णन ने 1909 में मद्रास विश्वविद्यालय से दर्शनशास्त्र में उन्हें संविधान सभा का सदस्य बनाया गया। अपने प्रथम भाषण में उन्होंने स्वराज्य शब्द की दार्शनिक व्याख्या की। डा. राधाकृष्णन को भारत सरकार ने 1949 में सोवियत संघ में राजदूत नियुक्त किया। वहां पर उन्होंने भारत–सोवियत मैत्री की सुदृढ़ आधारशिला रखी। 1952 में भारतीय गणतंत्र का प्रथम उपराष्ट्रपति चुना गया। 1954 में उन्हें भारत के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से अलंकृत किया गया। 13 मई 1962 को इस महान शिक्षाविद् एवं दार्शनिक ने भारत के द्वितीय राष्ट्रपति के पद को सुशोभित किया। जुलाई 1962 में उन्हें ब्रिटिश एकेडमी की ऑनरेरी फेलोशिप प्रदान की गई। डा. राधाकृष्णन की तुलना डा. बर्टेन्ड रसल, जी. ई. भूरे एवं कार्ल जास्पर्स जैसे विश्व प्रसिद्ध दार्शनिकों में की जाती है। शिक्षण और शिष्य उन्हें सबसे ज्यादा प्यारे थे। जिसने भी उनसे शिक्षा ली वे आज भी शिक्षक के रूप में उन्हें सम्मान से याद करते हैं।

एक दार्शनिक होने के कारण डा. राधाकृष्णन के शैक्षिक दर्शन में धार्मिक, नैतिक एवं लोक कल्याणकारी विचारों का सामंजस्य, भारतीय संस्कृति के प्रति उदारभाव तथा विश्व बंधुत्व की भावना की प्रमुखता है। उनका उद्देश्य समाज को ऐसे श्रेष्ठ और प्रतिष्ठित रूप में विकसित करना चाहते थे, जिससे प्रत्येक मनुष्य को अपनी योग्यता के अनुसार देश के विकास में योगदान का पूरा अवसर मिले। उनका मानना था कि मनुष्य के विचारों को श्रेष्ठ बनाने के लिए शिक्षा की महत्त्वपूर्ण भूमिका है और शिक्षा से शिष्ट, चरित्रवान तथा स्वावलंबी नागरिक तैयार होते हैं। उनकी राय में संसार के सभी मनुष्य एक ही परिवार के सदस्य हैं। इसलिए हमें एक दूसरे की सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीयता की रक्षा करनी चाहिए। राष्ट्रपति पद का कार्यकाल पूरा करने के बाद वे मद्रास में रहकर दर्शनशास्त्र के अध्ययन–अनुशीलन में तल्लीन हो गए। 6 अप्रैल, 1975 को उन्हें दिल का दौरा पड़ा और डाक्टरों के अथक प्रयासों के बावजूद उनका 16 अप्रैल 1976 को उनका स्वर्गवास हो गया।

– राहुल मित्तल

अंग्रेज़ी भी जाने, पर हिंदी का सम्मान भी करें

हिंदी दिवस पर विशेष

संचार के शुरूआती दौर से ही भाषा ने आधारभूत तत्व के रूप में काम किया। अपने प्रारंभिक काल से ही भाषा दो समुदायों, समाजों, वर्गों, व्यक्तियों और संस्कृतियों को जोड़ने का माध्यम बनी। भाषा का प्रारंभिक स्वरूप केवल आपसी विचारों के आदान प्रदान तक ही सीमित था लेकिन आज इसकी प्रकृति आर्थिक पहलुओं को भी छूती नज़र आती है। आज भाषा केवल बातचीत का माध्यम नहीं है, बल्कि यह बोलने वाले के व्यक्तित्व की भी पहचान कराती है। कुल मिलाकर बात यह है कि आज वैश्वीकरण के युग में अंग्रेज़ी भाषा को केवल एक भाषा समझना बड़ी भूल होगी। बल्कि आज तो यह इंटरनेशनल पहचान की भाषा बन चुकी है। सारी दुनिया में अंग्रेज़ी एक संपर्क भाषा के रूप में स्थापित हो चुकी है। अंग्रेजी भारत में कभी उच्च वर्ग का स्टेटस सिंबल हुआ करती थी, लेकिन अब यह रोजगार पाने व आजीविका कमाने का एक प्रमुख माध्यम बनी हुई है। लाखों भारतीय युवाओं को अंग्रेजी में उम्मीद नज़र आने लगी है। आज का युवा इस बात को बेहतर तरीके से जान गया है कि इस कॉरपोरेट जगत में यदि नौकरी को बचाना और प्रतियोगिता में अपने को बनाए रखना है तो इंगलिश को सीखना ही होगा। हालांकि इसका एक दूसरा पक्ष भी है।

जैसे जैसे भारतीय मध्यम वर्ग की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई वैसे वैसे उनकी अगली पीढ़ी ने अंग्रेज़ी कान्वेंट स्कूलों में प्रवेश पाया। इससे उसकी भाषाई नींव अंग्रेज़ी के रूप में स्थापित हुई, और समय के साथ उनका हिंदी के प्रति उपेक्षित भाव पैदा हो गया। इसका परिणाम यह हुआ की हमारे आसपास की भाषा ही हमारे बच्चों के लिए समस्या बन गई। चूंकि अंग्रेज़ी को सीखना हिंदी की तुलना में कहीं अधिक सहज व सरल है। इस कारण भी युवाओं का इस और झुकाव हुआ। इसके साथ ही उच्च पदों पर बैठे अधिकारियों, राजनीतिज्ञों व उदयोगपतियों की संतानें तो विदेशी शिक्षा प्राप्त किए हुए हैं। ऐसे में इस प्रकार का चलन हो गया है कि भारत में ऊंचे ओहदे पर बैठे लोगों का भारत की शिक्षण संस्थाओं से मोह भंग हो गया है और अब सब इसी कोशिश में लगे रहते है।

वर्तमान समय में अंग्रेज़ी की आवश्यकता को देखते हुए इंगलिश सिखाने वाले संस्थानों की भूमिका भी व्यापक हो गई है। भारत में अंग्रेज़ी सिखाने वाले सैंकड़ों संस्थानों का जन्म हुआ है। हजारों की संख्या में स्टूडेंटस इन संस्थानों में अंग्रेज़ी सीखते हैं। 1990 के दशक में उदारीकरण के दौर की शुरूआत होते ही दुनिया एक वैश्विक ग्राम में बदली, और आपसी संपर्क भाषा के रूप में अंग्रेज़ी ने अपने नाम का परचम लहराया। विदेशी कंपनियां अंग्रेजी बोलने वाले युवाओं को अच्छी नौकरी देने लगी। हिंदी भाषाई क्षेत्र के छात्र इस दौर में पिछड़ने लगे। इसका एक पक्ष यह भी है कि अंग्रेज़ी आर्थिक रूप से मजबूत बनने का एक ज़रिया भी बनती जा रही है। भारत में कार्यरत प्रायः सभी बहुराष्ट्रीय कंपनियों में नौकरी प्राप्त करने के लिए अंग्रेजी अनिवार्य है। चूंकि इन एमएनसी का हिस्सा बनकर अपने को आर्थिक रूप से मजबूत बनाया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर एमबीए जैसे कोर्सेस की बढ़ती मांग के कारण भी इस भाषा की वर्चस्वता को देखा जा सकता है।

अंग्रेज़ी भाषा की इस वर्चस्वता को कुछ विद्वानों ने नकारात्मक रूप में भी समझाने का प्रयास किया है। वे इसे अमरीकी सांस्कृतिक वर्चस्वता का एक उपकरण मानते है। ग्रामशी जैसे राजनीतिक चिंतक ने अपनी पुस्तक द प्रिंस में इस ओर संकेत किया था। अमरीकी नीतियों के विरोधियों विशेषकर साम्यवादी सोच रखने वाले विचारों व राजनीतिक चिंतकों का मानना है कि अंग्रेज़ी को जरूरत से ज्यादा महत्व देकर हम अपने ही पैरों पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। हालांकि हम इस राजनीतिक विवाद में नहीं पड़ेंगे। शायद ये विचारक अपनी जगह सही हो। लेकिन हमें आज की आर्थिक आवश्यकताओं को भी जानना होगा। 2020 तक भारत को विश्व शक्ति के रूप में स्थापित करने का विज़न जो हम लेकर चल रहे है उसकी राह में इस तरह की सोच बाधक बन सकती है। आज इंटरनेशनल स्तर पर सैन्य और राजनीतिक शक्तियों का प्रभाव आर्थिक शक्ति के सामने बौना नज़र आता है। जापान जैसा छोटा देश केवल आर्थिक विकास के कारण ही विश्व की दूसरी बड़ी अर्थव्यवस्था बना हुआ है। इसलिए भारत को जानना होगा कि वैश्वीकरण की शुरूआत के साथ ही विदेशी देशों से आर्थिक संबंध स्थापित करना आसान हो गया है। ऐसे में अंग्रेज़ी की महत्ता स्वयं ही सिद्ध हो जाती है।

अतः हमें किसी भी प्रकार के राजनीतिक विवादों से परे रहकर इस बात को समझना होगा कि अंग्रेज़ी भारत के विकास का एक तत्व है। बिना इसके हमारी दुनिया का आकार सीमित हो जाएगा। प्राय अंग्रेज़ी ना जानने वाले लोग कहते है कि वे भारतवासी हैं, और केवल भारत की भाषा को ही बोलेंगे। लेकिन इसमें उनकी इस भाषा को ना सीखने की कमी दिखाई देती है। अतः इस कमी को दूर करने के लिए वे इस तरह की कथित देशभक्ति को सिद्ध करने वाले वाक्यों का प्रयोग करते हैं। यह सही है कि हिंदी हमारी मातृभाषा है और हमें उसका सम्मान और आदर करना चाहिए। हम यह नहीं कहते कि हिंदी को उपेक्षित किया जाए। इसकी अपनी अलग संस्कृति है। लेकिन भूमंडलीकरण के युग में जिस तरह संस्कृतियों का आमेलन हो रहा है उसको देखते हुए हमें अन्य संस्कृतियों के साथ सामंजस्य बिठाना होगा और इसके लिए दूसरी भाषाओं को भी सम्मान देना होगा। अतः यह कहना ज्यादा उचित होगा कि हम अंग्रेज़ी जानते हैं लेकिन हम प्रयोग हिंदी का करेंगे।

– पंकज शर्मा 'नवीन'

.....contd from pg 1

TechnoVision 2013 - IT Fest

emphasized on upgrading students to be part of corporate world. Chief Guest, **Mr. Vineet Aurora,** Regional Manager HCL, encourages students for their future through various PPTs. He said, " You have to struggle in your life and achieve your goals till the last moment of life".

Following are the Events organized in TECHNOVISION'2K13:-

WEBSCAPE (Website Design): Webscape is a platform where students showcase their web skills and create attractive and informative sites using latest tools and technologies like dot net, java, PHP etc under supervision of Dr. Gurvinder Kaur.

This event was designed to draw students away from conventional problem-solving techniques and provide them scope for imagination and creativity. The students were able to grow knowledge and web skills. Students have demonstrated proficiency by designing websites.

Chief Guest, Mr. Vineet Auror, *Regional Manager HCL addressing while Inauguration*

Ms. Sandya Bindal, Deputy Director of TIAS, adressing the students

Dr. Ajay Kr. Rathore, Director TIAS addressing while Inauguration

contd on pg 6.....

.....contd from pg 5

TechnoVision 2013 - IT Fest

Moreover by preparing the websites they get exposed to different languages like Java, PHP, .NET and relevant skills of the fields. The websites were created by the students who have participated on the day. The students get enriched with the new technical aspects of the various systems in the IT. Mr. Rahul Mittal was the external judge for this contest. **Ashish Bindal, (BCA, TIAS, IGNOU) got 1st position; Kunal Sachdeva (B.Tech., BVCOE) got 2nd position.**

TECH MASTERS (IT Quiz): Brace thyself with the right knowledge, spirit, enthusiasm and attentiveness to play IT quiz, where you lock horns with other warriors from different colleges to emerge victorious. Information is power and power alone will determine who stand and who falls under supervision of **Dr. Vaibhav Bansal.** Students from different Intuitions have participated in the Prelims of IT Quiz. Total 65 teams, each consist of 2 students, were registered for the IT Quiz. A preliminary round of MCQ based on mixture of IT questions was conducted and 8 teams were shortlisted. The selected teams were then call for Elimination round i.e. Rapid Fire round. From there 4 teams were through to the final of IT Quiz. **Ankur Kumar, (BCA, JIMS) and Rahul Kashyap, (BCA, JIMS) both got the first place.**

RAPID CODERZZ (Software Programming): Programming is similar to a game of golf. The point is not getting the ball in the hole but how many strokes it takes thus sorting out complicated ideas into little steps. And that's the real essence of programming under supervision of **Dr. Vishal Khatri.** Students from different Intuitions have participated for the Software Programming Test. The programming languages for the Software Programming were C/C++. Total 27 teams, each consist of 2 students, were registered for the Software Programming. A preliminary round of MCQ based on Software Programming was conducted and 8 teams were shortlisted. Then teams were given a problem in their registered languages. The time to complete the task was 1hour and criteria for judging the team was logic, documentation and overall presentation **Alok Saini, (B.Tech., DIT) and Amit Khilwal, (B.Tech., IITM) got 1st position; Raghav Grover and Ramni Lakhere (BCA, IITM) got 2nd position.**

TECH SCRIPT (Technical Paper Presentation): Technical paper presentation provides a platform to inculcate in the students a culture of research, thinking and presenting ideas & technology in a professional manner under supervision of **Ms. Rashmi Ishrawat.** Technical Paper Presentation was based on research that the students have done on a certain topic. The papers were presented by the students of all the semesters of PG Courses. The event was the great source of knowledge for both the students and the faculty as well. The students get enriched with the new technical aspects of the various systems. The final decision was made on the basis of Innovation, Content, Delivery, Presentation, Question Handling **Shefali Sharma, (MCA 2nd, TIAS) got 1st position; Vikas Pathania and Abhishek Sharma (MBA 1st, TIAS) got 2nd position.**

contd on pg 7.....

मिला मुझे कुछ कम है.....

मिला मुझे कुछ कम है.....
सुना है जिंदगी इम्तिहान लेती है,
थोड़े से गम देकर खुशियों से झोली भर देती है,
क्यों मुझे हर पल में दिये इसने बस गम हैं,
क्यों हर पल मेरी आंखें नम हैं,
ये होता है सबके साथ या
मिला मुझे कुछ कम है.....
चल कर मां बाप की सीख पर पहली बार कामयाबी हाथ आई है,
जब चले उस सत्य की राह पर तो हर कदम ठोकर हमने खाई है, न जाने है कसूर ये हमारा या जमाने दम कोई नई रीत चलाई है
ये होता है सबके साथ या
मिला मुझे कुछ कम है.....
सुना है रिश्ते हैं तोहफा वो जो खुदा ने सबको बख्शे हैं, कोई साथ रहे न रहे वो हर पल साथ रहते हैं,
क्यों फिर अपने बुरे वक्त में मैंने खुद को पाया तन्हा ही है,
ये होता है सबके साथ या
मिला मुझे कुछ कम है.....
मिले हैं बहुत दुख जिंदगी में फिर भी न जाने क्यों मैं खुदा से कुछ मांगती हूं,
मैं चाहती हूं उसे पाने की दुआ मांगती हूं, रातों में अपने नसीब पर रोती हूं छिप–छिप कर मैं, फिर भी इक उम्मीद है खुदा से, जो मैं कायम रखना चाहती हूं,
ये होता है सबके साथ या
मिला मुझे कुछ कम है.....
करे वो कुछ करम मुझपर इस दुनिया से मैं डरती हूं, पाया नहीं कुछ मैंने यहां या सब कुछ पा कर मैं तन्हा हूं,
भुला के ठोकरें जीवन की अब मुस्कराना चाहती हूं, पाना है बहुत कुछ यहां मुझको और कुछ कर दिखाना चाहती हूं, क्योंकि है डर मुझको न आकर कहे कोई मुझसे कि
मिला तुझे कुछ कम है.....

- शिप्रा शर्मा
विद्यार्थी, बीजेएमसी

.....contd from pg 6

TechnoVision 2013 - IT Fest

Ashima Bhatnagar Bhatia. Mr. Rahul Mittal Dr. Vaibhav Bansal were the external judge for this contest. **Pooja Sharma (MCA 3rd, TIAS) got 1st position; Roshan Kumar (BBA, TIAS) got 2nd position**

MIND - JOLT (Collage Making) "A work of perfection was worth the effort. A moment was the most you could ever expect from perfection". Here candidate will be given the topic to speak on the spot under supervision of **Ms. Alka Batra.**

The event came to be very interactive and knowledgeable for the students as they gained knowledge about the new IT related day-to-day technologies. The

contd on pg 8.....

GAMER'S LOUNGE (LAN Gaming) Gamers' Lounge is fight to win, fight to survive and come out with the victory. Spontaneity, intellect ,Exuberance and passion are the key to win. Act now, Act Fast.....IF YOU DARE!!! Under supervision of **Mr. Mohit Tiwari. Tarun Kumar Yadav (MCA 2nd, BCIIT) defeat all the participants in Lan Gaming.**

GOOGLE'S DANCE (Internet Searching Com2petition) those who have the ability can match their speed with Google. Search the content on the given topic and make PowerPoint presentation on the spot. It's an internet searching competition where speed and relevance of result matter under supervision of **Dr.**

This Month

September 14, 1741 - Composer George Frederick Handel finished *Messiah* after working on it nonstop for 23 days.

*****

September 5, 1774 - The First Continental Congress assembled in Philadelphia with 56 delegates, representing every colony, except Georgia. Attendants included Patrick Henry, George Washington, Sam Adams and John Hancock.

*****

September 9, 1776 - The United States came into existence as the Continental Congress changed the name of the new American nation from the United Colonies.

*****

September 15, 1776 - British forces under General William Howe captured New York during the American Revolution..

*****

September 22, 1776 - During the American Revolution, Nathan Hale was executed without a trial after he was caught spying on British troops on Long Island, his last words, "I only regret that I have but one life to lose for my country."

*****

September 4, 1781 - Los Angeles was founded by the Spanish Governor of California, Felipe de Neve,near the site of the Native American village of Yang-na. The original name was El Pueblo de la Reina de Los Angeles.

*****

Compilation: Dr. Vipul Partap

Basics of Media

Sync Generator - Part of the camera chain; produces electronic synchronization signal.

*****

Sync Pulses - Electronic pulses that synchronize the scanning in the various video origination sources (studio cameras and/or remote cameras) and various recording, processing, and reproduction sources (videotape, monitors, and television receivers).

*****

White Balance - The adjustments of the color circuits in the camera to produce a white color in lighting of various color temperatures (relative reddishness or bluishness of white light).

*****

Aperture - Iris opening of a lens, usually measured in *f*-stops.

*****

Auto-Focus - Automated feature whereby the camera focuses on what it senses to be your target object.

*****

Calibrate - To preset a zoom lens to remain in focus throughout the zoom.

*****

Compression - The crowding effect achieved by a narrow-angle (telephoto) lens wherein object proportions and relative distances seem shallower.

*****

Compilation: Rahul Mittal

.....contd from pg 7

TechnoVision 2013 - IT Fest

students were given the IT related topics for the collage making. **Tanvi Arora and Suman Aggarwal (BBA 1st, TIAS) got 1st position; Shweta Abhot and Priya Jain (MBA 1st, TIAS) got 2nd position**

AD-MAD SHOW(Advertisement): If you think that you have the ability to play with products and have the ability to speak on anything that is given to you, then this could be your chance to stardom…in the language, that's it… under supervision of **Ms. Rama Bhatia.**

Students prepare advertisement on the spot given topics. It was an entertaining event as all the students enhanced their skills for thinking in a broad manner.

Team of MCA 2nd year (Himanshu Sharma, Vinti Sachdeva, Harsh & Shefali Sharma, TIAS) got first place; Team of MBA 1st year (Heena Chadha, Latika Bhanot, Sangeeta Kaundal, TIAS) and Team of BBA 3rd year (Aditi Sharma, Manisha Khurana, Preeti Jain, Tarun Khandelwal, TIAS) got second place.

The event started at 9:00 AM with the Website Presentation the first event to took place. This event gave an insight into the world of Web Application. Later on other events took place at their respective timings.TECHNOVISION2K13 completed with great success, MCA department is dedicated to organize such events in future as well. The last event that marked the conclusion of fest was LAN GAMING that finish at 4:00 PM. Winners of all the events were announced at the end of the fest.

Ms. Arti Bajaj, Convener of TECHNOVISION2K13 in her closing speech submitted her regards to all the dignitaries, faculty and students for their participation, cooperation and presence for the event.

Ajay Bansal
MCA

Vol. 9 **No.** 9
RNI No.: DEL/BIL/2004/14598
Publisher: Ram Kailsah Gupta on behalf of Tecnia Institute of Advanced Studies, 3 PSP, Madhuban Chowk, Rohini, Delhi-85; **Printer:** Ramesh Chander Dogra; **Printed at:** Dogra Printing Press, 17/69, Jhan Singh Nagar, Anand Parbat, New Delhi-5
Editor: Rahul Mittal, responsible for selection of News
under PRB Act. All rights reserved.

IMPORTANT QUOTES

"Sometimes when reading Goethe I have the paralyzing suspicion that he is trying to be funny."

- Guy Davenport

*****

"Any man who is under 30, and is not a liberal, has no heart; and any man who is over 30, and is not a conservative, has no brains."

- Sir Winston Churchill

"The opposite of a correct statement is a false statement. The opposite of a profound truth may well be another profound truth."

- Niels Bohr

*****

"When I am working on a problem I never think about beauty. I only think about how to solve the problem. But when I have finished, if the solution is not beautiful, I know it is wrong."

- Buckminster Fuller

*****

"In any contest between power and patience, bet on patience."

- W.B. Prescott

*****

Compilation: Dr. Vipul Partap

Winners V/s Loosers

Part-26

The Winner says, "Let me do it for you";The Loser says, "That is not my job."

*****

The Winner sees an answer for every problem; The Loser sees a problem for every answer.

*****

Winners have dreams; Losers have schemes.

*****

Winners say, "I must do something"; Losers say, "Something must be done."

*****

to be continued in next issue

Compilation: Rahul Mittal

All Students and Faculty are welcome to give any Article, Feature & Write-up along with their Views & Feedback at youngster@tecnia.in